# सामाजिक विज्ञान

## कक्षा 7

### ( सामाजिक और राजनीतिक जीवन )

### अध्याय 5: औरतों ने बदली दुनिया

**To get notes visit our website**

**mukutclasses.in**

# अभ्यास के प्रश्न

**प्रश्न 1. आपके विचार से महिलाओं के बारे में प्रचलित रूढ़िवादी धारणा कि वे क्या कर सकती हैं और क्या नहीं, उनके समानता के अधिकार को कैसे " प्रभावित करती है?**
उत्तर: रूढ़िवादी धारणा यह मानती है कि महिलाएँ केवल घर संभाल सकती हैं, बाहर का काम नहीं कर सकतीं, या नेतृत्व योग्य नहीं हैं। ये विचार महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, राजनीति और स्वतंत्र निर्णय लेने के अधिकार से वंचित करते हैं।
प्रभाव: इससे उनका समानता का अधिकार प्रभावित होता है क्योंकि उन्हें पुरुषों के बराबर अवसर नहीं मिलते, और वे अपने जीवन के फैसले खुद नहीं ले पातीं।

**प्रश्न 2. कोई एक कारण बताइए जिसकी वजह से राससुंदरी देवी, रमाबाई और रुकैया हुसैन के लिए अक्षर ज्ञान इतना महत्त्वपूर्ण था।**
उत्तर: इन महिलाओं के लिए अक्षर ज्ञान स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता का प्रतीक था।

**प्रश्न 3. "निर्धन बालिकाएँ पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं, क्योंकि शिक्षा में उनकी रुचि नहीं है।" पृष्ठ 56, 57 पर दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर स्पष्ट कीजिए कि यह कथन सही क्यों नहीं है?**
उत्तर: यह कथन गलत है, क्योंकि अधिकांश गरीब लड़कियाँ पढ़ाई छोड़ने को मजबूर होती हैं।

**प्रश्न 4. क्या आप महिला आंदोलन द्वारा व्यवहार में लाए जाने वाले संघर्ष के दो तरीकों के बारे में बता सकते हैं? महिलाएँ क्या कर सकती हैं और क्या नहीं, इस विषय पर आपको रूढ़ियों के विरुद्ध संघर्ष करना पड़े, तो आप पढ़े हुए तरीकों में से कौन-से तरीकों का उपयोग करेंगे? आप इसी विशेष तरीके का उपयोग क्यों करेंगे?**
उत्तर: महिला आंदोलन के दो तरीके:

1. **प्रदर्शन और रैलियाँ:** महिलाएँ अपने अधिकारों की माँग को लेकर सार्वजनिक रूप से इकट्ठा होती हैं, रैलियाँ निकालती हैं।
2. **कानूनी रास्ता अपनाना:** महिलाओं ने अदालतों में केस दायर कर कानूनों में बदलाव करवाया — जैसे घरेलू हिंसा और दहेज विरोधी कानून।

अगर मुझे रूढ़ियों के खिलाफ संघर्ष करना हो, तो मैं 'कानूनी रास्ता' चुनूँगा क्योंकि यह स्थायी और संरचनात्मक बदलाव लाता है। जब कानून बदलते हैं, तो पूरी व्यवस्था बदलती है और उससे भविष्य में कई महिलाओं को मदद मिलती है।